चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... अमर उजाला .....
दिनांक 7.3.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 1-4

किसानों को करवाया अंतरराष्ट्रीय संस्थान का दौरा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के अंतर्गत डॉ. रामधन सिंह ने किसानों को गेहूं की प्राप्ति और संभावित उपज के बीच अंतर को कम करने और गेहूं की नवीनतम उत्पादन तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी देने के लिए बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया लुधियाना का दौरा करवाया।

इस दो दिवसीय दौरे में सिवानी और आदमपुर के 30 किसानों ने भाग लिया। इस दल की अगुवाई विश्वविद्यालय के सहायक वैज्ञानिक (गेहूं प्रजनन) डॉ. ओपी बिश्नोई और सहायक वैज्ञानिक (पौध प्रजनन) डॉ. सोमवीर सिंह ने की। इस अंतरराष्ट्रीय संस्थान में इन किसानों ने हैप्पी सीडर से बिजाई की संरक्षण तकनीक और द्विउद्देशीय गेहूं जिसमें चारे के लिए गेहूं की फसल की एक कटाई बुवाई के 50 दिनों के बाद की जाती है और फिर फसल का उपयोग अनाज के लिए किया जाता है आदि की जानकारी हासिल की।

किसानों को लुधियाना के खेतों का दौरा कराते एचएयू के वैज्ञानिक। अमर उजाला

डॉ. रामधन सिंह चेयर के संयोजक डॉ. आईएस पंवार ने बताया कि उपरोक्त संस्थान पर किसानों को गेहूं की फसल के उच्च उत्पादन क्षमता परीक्षण (राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय) और रेसिलिएंट क्लाइमेट के तहत उपज बढ़ाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली नई तकनीकों को सीखने का अवसर भी मिला। इन किसानों ने बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया में कार्यरत बांग्लादेश से डॉ. फरीद अहमद, डॉ. मुकेश, डॉ. अवधेश और डॉ. नवीन के साथ गेहूं उत्पादन में उन्हें आ रही समस्याओं को सांझा किया और उनका समाधान जाना।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 7.3.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 3.5

सिवानी और मंडी आदमपुर के तीस किसानों ने लुधियाना इंस्टीट्यूट में जाने बिजाई के तरीके

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के तहत डॉ. रामधन सिंह चेयर ने किसानों को गेहूं की प्राप्ति और संभावित उपज के बीच अंतर को कम करने के लिए गेहूं की नवीनतम उत्पादन तकनीकों की व्यवहारिक जानकारी देने के लिए बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया, लुधियाना का दौरा करवाया। दो दिवसीय दौरे में सिवानी और आदमपुर के कुल 30 किसानों ने हिस्सा लिया।

बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया में गेहूं फसल उत्पादन के बारे में वैज्ञानिकों से जानकारी लेते किसान।

इस दल की अगुवाई विश्वविद्यालय के सहायक वैज्ञानिक (गेहूं प्रजनन), डॉ. ओ.पी. बिश्नोई और सहायक वैज्ञानिक (पौध प्रजनन) डॉ. सोमवीर सिंह ने की। इस अंतरराष्ट्रीय संस्थान पर इन किसानों ने हैप्पी सीडर से बीजाई की संरक्षण तकनीक और द्वीउद्देश्यीय गेहूं जिसमें चारे के लिए गेहूं की फसल की एक कटाई बुवाई के 50 दिन के बाद की जाती है और फिर फसल का उपयोग अनाज के लिए किया जाता है, की जानकारी हासिल की। डॉ. रामधन सिंह चेयर के संयोजक डॉ. आईएस पंवार ने बताया कि उपरोक्त संस्थान पर किसानों को गेहूं की फसल के उच्च उत्पादन क्षमता परीक्षण (राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय) और रेसिलिएंट क्लाइमेट के तहत उपज बढ़ाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली नई तकनीक सीखने का अवसर भी मिला। इस अवसर पर इन किसानों ने बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया में कार्यरत बांग्लादेश से डॉ. फरीद अहमद, डॉ. मुकेश, डॉ. अवधेश और डॉ. नवीन के साथ गेहूं उत्पादन में उन्हें पेश आ रही समस्याओं को सांझा किया और उनका समाधान जाना।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब केसरी, दैनिक ट्रिब्यून

दिनांक 7.3.2019 पृष्ठ सं. 2, 1 कॉलम 7-8, 1-2

किसानों को करवाया अंतर्राष्ट्रीय संस्थान का दौरा

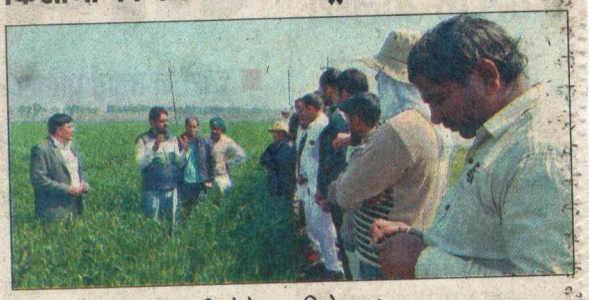

फसल बारे जानकारी देते हुए विशेषज्ञ।

हिसार, 6 मार्च (ब्यूरो): हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के अंतर्गत डा. रामधन सिंह चेयर ने किसानों को गेहूं की प्राप्ति और संभावित उपज के बीच अंतर को कम करने के लिए गेहूं की नवीनतम उत्पादन तकनीकों की व्याहवारिक जानकारी देने के लिए बोरलॉग इंस्टीच्यूट फॉर साउथ एशिया, लुधियाना का दौरा करवाया।

इस दो दिवसीय दौरे में सिवानी और आदमपुर के 30 किसानों ने भाग लिया। इस दल की अगुवाई विश्वविद्यालय के सहायक वैज्ञानिक (गेहूं प्रजनन), डा. ओ.पी. बिश्नोई और सहायक वैज्ञानिक (पौध प्रजनन) डा. सोमवीर सिंह ने की। इस अवसर पर इन किसानों ने बोरलॉग इंस्टीच्यूट फॉर साउथ एशिया में कार्यरत बांग्लादेश से डा. फरीद अहमद, डा. मुकेश, डा. अवधेश और डा. नवीन के साथ गेहूं उत्पादन में उन्हें पेश आ रही समस्याओं को सांझा किया और उनका समाधान जाना।

किसानों ने जानी गेहूं उत्पादन की नयी तकनीक

हिसार (निस): गेहूं की नई से नई उत्पादन तकनीकों की जानकारी हासिल करने के लिए किसानों ने बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया, लुधियाना का दौरा किया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के अंतर्गत डॉ. रामधन सिंह चेयर ने यह आयोजन कराया। 2 दिवसीय दौरे में सिवानी और आदमपुर के 30 किसानों ने भाग लिया। इस दल की अगुवाई विश्वविद्यालय के सहायक वैज्ञानिक (गेहूं प्रजनन), डॉ. ओपी बिश्नोई और सहायक वैज्ञानिक (पौध प्रजनन) डॉ. सोमवीर सिंह ने की। लुधियान के अंतर्राष्ट्रीय संस्थान पर इन किसानों ने हैप्पी सीडर से बीजाई की संरक्षण तकनीक की जानकारी हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 7.3.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 8

किसानों ने जानी हैप्पी सीडर से बीजाई की संरक्षण तकनीक

जागरण संवाददाता हिसार : हकृवि के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग ने किसानों को गेहूं की नवीनतम उत्पादन तकनीकों की जानकारी देने को बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया, लुधियाना का दौरा करवाया। इस दो दिवसीय दौरे में सिवानी और आदमपुर के कुल 30 किसानों ने भाग लिया।

इस दल की अगुआई में विश्वविद्यालय के सहायक वैज्ञानिक (गेहूं प्रजनन), डा. ओपी बिश्नोई और सहायक वैज्ञानिक (पौध प्रजनन) डा. सोमवीर सिंह ने की। इस अंतरराष्ट्रीय संस्थान पर इन किसानों ने हैप्पी सीडर से बीजाई की संरक्षण तकनीक और द्वी-उद्देश्यीय गेहूं तकनीक की जानकारी हासिल की। डा. रामधन सिंह चेयर के संयोजक डा. आइएस पंवार ने बताया कि उपरोक्त संस्थान पर किसानों को गेहूं की फसल के उच्च उत्पादन क्षमता परीक्षण (राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय) और रेसिलिएंट क्लाइमेट के तहत उपज बढ़ाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली नई तकनीकों को सीखने का अवसर भी मिला। इस अवसर पर इन किसानों ने बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया में कार्यरत बांग्लादेश से डा. फरीद अहमद, डा. मुकेश, डा. अवधेश और डा. नवीन के साथ गेहूं उत्पादन में उन्हे पेश आ रही समस्याओं को साझा किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....अमर शोर............................
दिनांक 6..3..2019... पृष्ठ सं. ..6.......... कॉलम ..7-8...........

गेहूं की नवीनतम उत्पादन तकनीकों की जानकारी हेतु किसानों को करवाया भ्रमण

हिसार/06 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के अंतर्गत डॉ. रामधन सिंह चेयर ने किसानों को गेहूं की प्राप्ति और संभावित उपज के बीच अंतर को कम करने के लिए गेहूं की नवीनतम उत्पादन तकनीकों की व्यवहारिक जानकारी देने के लिए बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया, लुधियाना का दौरा करवाया। इस दो दिवसीय दौरे में सिवानी और आदमपुर के कुल 30 किसानों ने भाग लिया। इस दल की अगुवाई विश्वविद्यालय के सहायक वैज्ञानिक (गेहूं प्रजनन), डॉ. ओपी बिश्नोई और सहायक वैज्ञानिक (पौध प्रजनन) डॉ. सोमवीर सिंह ने की। इस अंतर्राष्ट्रीय संस्थान पर इन किसानों ने हैप्पी सीडर से बीजाई की सरंक्षण तकनीक और द्वीउद्देश्यीय गेहूं जिसमें चारे के लिए गेहूं की फसल की एक कटाई बुवाई के 50 दिनों के बाद की जाती है और फिर फसल का उपयोग अनाज के लिए किया जाता है, की जानकारी हासिल की। चेयर के संयोजक डॉ. आईएस पंवार ने बताया कि उपरोक्त संस्थान पर किसानों को गेहूं की फसल के उच्च उत्पादन क्षमता परीक्षण (राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय) और रेसिलिएंट क्लाइमेट के तहत उपज बढ़ाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली नई तकनीकों को सीखने का अवसर भी मिला। इस अवसर पर इन किसानों ने बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया में कार्यरत बांग्लादेश से डॉ. फरीद अहमद, डॉ. मुकेश, डॉ. अवधेश और डॉ. नवीन के साथ गेहूं उत्पादन में उन्हें पेश आ रही समस्याओं को सांझा किया और उनका समाधान जाना।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....सिटी पल्स........
दिनांक 6.3.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 2-4

जानकारी | दो दिवसीय दौरे में सिवानी और आदमपुर के 30 किसानों ने ली जानकारी

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों को करवाया अंतर्राष्ट्रीय संस्थान का दौरा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के अंतर्गत डॉ. रामधन सिंह चेयर ने किसानों को गेहूं की प्राप्ति और संभावित उपज के बीच अंतर को कम करने के लिए गेहूं की नवीनतम उत्पादन तकनीकों की व्यवहारिक जानकारी देने के लिए बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया, लुधियाना का दौरा करवाया। इस दो दिवसीय दौरे में सिवानी और आदमपुर के कुल 30 किसानों ने भाग लिया। इस दल की अगुवाई विश्वविद्यालय के सहायक वैज्ञानिक (गेहूं प्रजनन), डॉ. ओपी बिश्नोई और सहायक वैज्ञानिक (पौध प्रजनन) डॉ. सोमवीर सिंह ने की। इस अंतर्राष्ट्रीय संस्थान पर इन किसानों ने हैप्पी सीडर से बीजाई की सरंक्षण तकनीक और द्विउद्देश्यीय गेहूं जिसमें चारे के लिए गेहूं की फसल की एक कटाई बुवाई के 50 दिनों के बाद की जाती है और फिर फसल का उपयोग अनाज के लिए किया जाता है, की जानकारी हासिल की। डॉ. रामधन सिंह चेयर के संयोजक डॉ. आईएस पंवार ने बताया कि उपरोक्त संस्थान पर किसानों को गेहूं की फसल के उच्च उत्पादन

क्षमता परीक्षण (राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय) और रेसिलिएंट क्लाइमेट के तहत उपज बढ़ाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली नई तकनीकों को सीखने का अवसर भी मिला। इस अवसर पर इन किसानों ने बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया में कार्यरत बांग्लादेश से डॉ. फरीद अहमद, डॉ. मुकेश, डॉ. अवधेश और डॉ. नवीन के साथ गेहूं उत्पादन में उन्हे पेश आ रही समस्याओं को सांझा किया और उनका समाधान जाना।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .... नित्य शक्ति टाइम्स ....
दिनांक 6.3.2019 पृष्ठ सं. ....6....... कॉलम 1-4

किसानों को करवाया अंतर्राष्ट्रीय संस्थान का दौरा

हिसार, 6 मार्च (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के अंतर्गत डॉ. रामधन सिंह चेयर ने किसानों को गेहूं की प्राप्ति और संभावित उपज के बीच अंतर को कम करने के लिए गेहूं की नवीनतम उत्पादन तकनीकों की व्यहवारिक जानकारी देने के लिए बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया, लुधियाना का दौरा करवाया।

इस दो दिवसीय दौरे में सिवानी और आदमपुर के कुल 30 किसानों ने भाग लिया। इस दल की अगुवाई विश्वविद्यालय के सहायक वैज्ञानिक (गेहूं प्रजनन), डॉ. ओपी बिश्नोई और सहायक वैज्ञानिक (पौध प्रजनन) डॉ. सोमवीर सिंह ने की। इस अंतरराष्ट्रीय संस्थान पर इन किसानों ने हैप्पी सीडर से बिजाई की सरंक्षण तकनीक और द्विउद्देश्यीय गेहूं जिसमें चारे के लिए गेहूं की फसल की एक कटाई बुवाई के 50 दिनों के बाद की जाती है और फिर फसल का उपयोग अनाज के लिए किया जाता है, की जानकारी हासिल की।

डॉ. रामधन सिंह चेयर के संयोजक डॉ. आईएस पंवार ने बताया कि उपरोक्त संस्थान पर किसानों को गेहूं की फसल के उच्च उत्पादन क्षमता परीक्षण (राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय) और रेसिलिएंट क्लाइमेट के तहत उपज बढ़ाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली नई तकनीकों को सीखने का अवसर भी मिला। इस अवसर पर इन किसानों ने बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया में कार्यरत बांग्लादेश से डॉ. फरीद अहमद, डॉ. मुकेश, डॉ. अवधेश और डॉ. नवीन के साथ गेहूं उत्पादन में उन्हें पेश आ रही समस्याओं को सांझा किया और उनका समाधान जाना।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम वीर भूमि, पंजाब केसरी

दिनांक 7.3.2019 पृष्ठ सं. 14, 3 कॉलम 7, 4

होम साइंस कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी कल

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कालेज द्वारा लैंगिक समानता के लिए अभिनव रणनीतियाँ विषय पर 8 मार्च को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्य अतिथि होंगे। होम साइंस कालेज की डीन डॉ. बिमला ढांडा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि संगोष्ठी का आयोजन स्त्री और पुरूष में समानता जागृत करने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने बताया इस कार्यक्रम में उन स्त्रियों को आमंत्रित किया गया है जिन्होंने अपने जीवन में संघर्ष करके विशेष उपलब्धियां प्राप्त की है। इस अवसर पर पोस्टर बनाना, भाषण आदि का आयोजन किया जाएगा।

हकृवि में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी कल

हिसार, 6 मार्च (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कालेज द्वारा लैंगिक समानता के लिए अभिनव रणनीतियां विषय पर 8 मार्च को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्यातिथि होंगे। होम साइंस कालेज की डीन डा. बिमला ढांडा ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन स्त्री और पुरुष में समानता जागृत करने के उद्देश्य से किया गया है। इस अवसर पर पोस्टर बनाना, भाषण आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा।